vkj- ,u- vkb- u- UPHIN/2010/32566 Mkd- iath;u- la[;k& SSP/LW/NP-311

अद्भुत समाचार

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी साप्ताहिक

हर ख़बर पर पैनी नज़र

o"kZ % 13 vad % 23 y[kuÅ] cq)okj 21 flrEcj 2022 ls 27 flrEcj 2022 rd i"B&8 eY; % ,d

मुख्यमंत्री योगी को धमकी देने वाले युवक की जमानत अर्जी खारिज

लखनऊ। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को जान से मारने की धमकी देने वाले राजस्थान निवासी सरफराज की जमानत अर्जी को स्थानीय अदालत ने मंगलवार को खारिज कर दिया है। विशेष न्यायाधीश डॉ. अवनीश कुमार की अदालत में जमानत अर्जी का विरोध करते हुए सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता पंकज श्रीवास्तव एवं धीरज सिंह ने दलील दी कि गत २ अगस्त को लखनऊ स्थित सुशांत गोल्फ सिटी थाने में सुभाष कुमार ने इस घटना की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इसमें कहा गया था कि दो अगस्त को शाम ७ : ३० बजे यूपी ११२ हेल्पलाइन के व्हाट्सएप नंबर पर शाहिद खान

नामक व्यक्ति ने मुख्यमंत्री योगी को तीन दिन के अंदर बम से मारने की धमकी दी गयी थी। पुलिस ने इस मामले में १२ अगस्त को लोकेशन लेकर अभियुक्त शाहिद को राजस्थान से गिरफ्तार उसके पास से दो मोबाइल फोन बरामद किये। अदालत ने उसकी जमानत अर्जी को खारिज करते हुए कहा कि अभियुक्त ने यह स्वीकार किया है कि उसने अपने चचेरे भाई शाहिद के नाम से मैसेज भेजा था। इसका मकसद मुख्यमंत्री को जान से मारने की धमकी देकर आमजन में दहशत पैदा करना था। अदालत ने कहा है कि यह मामला साइबर आतंकवाद से संबंधित है और सार्वजनिक सुरक्षा से जुड़ा हुआ अत्यंत गंभीर प्रकरण होने के कारण अभियुक्त को जमानत नहीं दी जा सकती है।

विपक्ष के आंदोलन कुचलना, भाजपा की तानाशाही प्रवृति : मायावती

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने राज्य की योगी सरकार पर तानाशाही पूर्ण रवैया अपनाने का आरोप लगाते हुए मंगलवार को कहा कि विपक्षी दलों को जनता की समस्यायें उठाने के लिये धरना प्रदर्शन करने की अनुमति न देना सरकार की तानाशाही प्रवृत्ति को दर्शाता है। गौरतलब है कि प्रदेश में मुख्य विपक्षी दल समाजवादी पार्टी (सपा) के विधायकों ने सोमवार को मंहगाई और बेरोजगारी सहित अन्य समस्याओं के विरोध में सपा कार्यालय से विधान सभा तक पैदल मार्च निकाला था। पुलिस ने इसकी अनुमति नहीं लेने का हवाला देते हुए सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव की अगुवाई में सपा विधायकों को राजभवन से पहले ही रोक कर आगे नहीं बढ़ने दिया। मायावती ने सरकार के इस रवैये को आपत्तिजनक बताते हुए ट्वीट कर कहा, "विपक्षी पार्टियों को सरकार की जनविरोधी नीतियों व उसकी निरंकुशता तथा जुल्म–ज्यादती आदि को लेकर धरना–प्रदर्शन करने की अनुमति नहीं देना भाजपा सरकार की नई तानाशाही प्रवृति हो गई है। साथ ही, बात–बात पर

मुकदमे व लोगों की गिरफ्तारी एवं विरोध को कुचलने की बनी सरकारी धारणा अति–घातक।" उन्होंने योगी सरकार पर आंदोलनों को कुचलने का आरोप लगाते हुए इस रवैये की निंदा की। उन्होंने इलाहाबाद विश्वविद्यालय में छात्रों के आंदोलन पर पुलिस कार्रवाई का मुद्दा उठाते हुए कहा, "इसी क्रम में इलाहाबाद विश्वविद्यालय द्वारा फीस में एकमुश्त भारी वृद्धि करने के विरोध में छात्रों के आन्दोलन को जिस प्रकार कुचलने का प्रयास जारी है वह अनुचित व निन्दनीय। यूपी सरकार अपनी निरंकुशता को त्याग कर छात्रों की वाजिब माँगों पर सहानुभतिपूर्वक विचार करे, बीएसपी की माँग।" मायावती ने भाजपा को विपक्ष रहने के दौरान बात बात पर विधान भवन के सामने सड़क जाम करने का अतीत भी याद कराया। उन्होंने एक अन्य ट्वीट में कहा, "महंगाई, गरीबी, बेरोजगारी, बदहाल सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य व कानून व्यवस्था आदि के प्रति यूपी सरकार की लापरवाही के विरुद्ध धरना–प्रदर्शन नहीं करने देने व उन पर दमन चक्र के पहले भाजपा जरूर सोचे कि विधान भवन के सामने बात–बात पर सड़क जाम करके आमजनजीवन ठप करने का उनका क्रूर इतिहास है।"

नर्माणाधीन दीवार गिरने से ४ मजबूरों की मौत, सीएम योगी ने जताया दुख

लखनऊ। नोएडा सेक्टर–२१ में मंगलवार सुबह एक निर्माणाधीन दीवार गिरने से कम से कम चार लोगों की मौत हो गई। कई अन्य लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका है। हादसा तब हुई जब मजदूर सफाई कर रहे थे तभी अचानक बाउंड्री व ल के गिरने से हड़कंप मच गया। मजदूर जब तक खुद को बचाने की कोशिश करते तब दीवार भरभराकर उनके उपर गिर चुकी थी। बचाव कार्य के दौरान अब तक चीर शवों को निकाला गया हैं। अंदेशा है कि और भी लोग मलबे में दबे हो सकते हैं। मौके पर पहुंचे गौतम बुद्ध नगर के डीएम सुहास एल वाई ने जारनाकी दी कि घटना स्थल पर बचाव कार्य जारी हैं। घटना कैसे हुई उसकी जांच की जा रही हैं। शुरूआती तौर पर पता चला है कि जब मजदूर नाली बनाने का काम कर रहे थे तभी कुछ ईंटे उनके उपर गिरी। देखते ही देखते पूरी दीवार मजदूरों पर गिर गयी। मौके पर फायर अ फिसर और कमिश्नर भी पहुंचे हैं। फिलहाल बचाव कार्य जारी हैं। घटना नोएडा सेक्टर–२१ के जलवायु विहार के पास हुई। पुलिस स्थानीय

लोगों के साथ मिलकर बचाव कार्य कर रही है। बचाव कार्यों में मदद के लिए दमकल और जेसीबी मशीनों को भी बुलाया गया। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घटना में मारे गए लोगों पर शोक व्यक्त किया है। उन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों को तत्काल मौके पर पहुंचकर युद्धस्तर पर राहत कार्य करने के निर्देश दिए।

नौसेना प्रमुख ने कहा, अग्निपथ शानदार योजना, व्यापक विचार-विमर्श के बाद इसे लाया गया

नयी दिल्ली। नौसेना प्रमुख एडमिरल आर. हरि कुमार ने मंगलवार को कहा कि 'अग्निपथ' एक शानदार योजना है, जिसे इस ''व्यापक विचार–विमर्श'' और ''व्यापक अध्ययन'' के बाद पेश किया गया है कि अन्य सैन्य बलों ने अपने मानव संसाधन को किस तरह व्यवस्थित किया है। उन्होंने यहां 'भारत की नौसेना क्रांति रू उभरती समुद्रीय शक्ति' विषय पर आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करने से इतर यह बात कही। नौसेना प्रमुख ने कहा कि यह विचार २०२० के मध्य के आसपास सामने आया और ''इसे अमल में लाने में लगभग दो साल लग गए।'' संवाद के दौरान मंच संचालक ने 'अग्निपथ' योजना से जुड़ा सवाल किया, जिसके जवाब में एडमिरल कुमार ने कहा, ''यह एक शानदार योजना है और मुझे लगता है कि इसकी लंबे समय से प्रतीक्षा हो रही थी और इसे कई साल पहले हो जाना चाहिए था।'' उन्होंने कहा कि करगिल समीक्षा समिति की रिपोर्ट में एक सिफारिश है कि सशस्त्र बलों में उम्र सीमा को नीचे लाने की आवश्यकता है। नौसेना प्रमुख ने कहा कि उस समय औसत उम्र ३२ वर्ष थी और सिफारिश में कहा गया कि इसे कम करके लगभग २५–२६ वर्ष तक लाया जाना चाहिए।

सत्येंद्र जैन मामला, ईडी की याचिका पर सुनवाई के निर्देश

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने धन शोधन मामले में सत्र अदालत को सत्येंद्र जैन की जमानत याचिका को अन्य जज के पास स्थानांतरित करने की प्रवर्तन निदेशालय की याचिका पर २२ सिंतबर को सुनवाई शुरू करने का निर्देश दिया। जस्टिस डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली तीन–जजों की पीठ ने राउज एवेन्यू अदालत के प्रमुख जिला एवं सत्र न्यायाधीश को सुनवाई के लिए याचिका पर विचार करने को कहा। पीठ में न्यायमूर्ति हिमा कोहली और न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा भी शामिल थे। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश विनय कुमार गुप्ता ने १६ सितंबर को सत्येंद्र जैन जमानत पर सुनवाई की कार्यवाही पर रोक लगा दी थी। इस मामले में जैन और अन्य सह–आरोपियों को ईडी के एक आवेदन पर नोटिस जारी किया था जिसमें मामला दूसरे न्यायाधीश को स्थानांतरित करने का अनुरोध किया गया था।

मुख्तार अंसारी को दो वर्ष की कैद

लखनऊ। इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ पीठ ने माफिया से नेता बने पूर्व विधायक मुख्तार अंसारी को जेलर को जान से मारने की धमकी देने का दोषी ठहराते हुए दो वर्ष कैद की सजा सुनाई। वर्ष २००३ में लखनऊ के

तत्कालीन जेलर एसके अवस्थी ने आलमबाग थाने में अंसारी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था जिसमें उन्होंने आरोप लगाया था कि जेल में मुख्तार अंसारी से मिलने आए लोगों की तलाशी लेने का आदेश देने पर उन्हें जान से मारने की धमकी दी गई थी। अवस्थी ने यह भी आरोप लगाया था कि अंसारी ने उन्हें अपशब्द कहते हुए उन पर पिस्टल भी तान दी थी। इस मामले में निचली अदालत ने अंसारी को बरी कर दिया था, जिसके खिलाफ सरकार ने अपील दाखिल की थी।

सम्पादकीय

लेकिन अब यह आदर्श डोल रहा

यूरोपीय देशों की सामाजिक सुरक्षा योजनाओं को एक म डल समझा जाता रहा है। यहां तक कि अक्सर अमेरिका में भी वामपंथी समूह उसे एक आदर्श बताते रहे हैं। लेकिन अब यह आदर्श डोल रहा है। ब्रिटेन में पहले ही ऐसी योजनाओं को बहुत कमजोर किया जा चुका है। अब यूरोप के सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था जर्मनी में भी इन पर मार पड़ने की शुरुआत हो गई है। तो यह कहने वालों को बल मिला है कि ये यूरोपीय उदारता तब की बात थी, जब औपनिवेशिक शोषण के आधार पर तैयार हुई समृद्धि का फल मिल रहा था। अब जबकि आर्थिक मुसीबत ने आ घेरा है, उदारता जवाब दे रही है। फिलहाल, जर्मन सरकार ने देश में बेरोजगारों को मिलने वाले लाभ को पूरी तरह से बदलने की कवायद शुरू की है। 'हार्त्स फोर' नाम की मौजूदा व्यवस्था १८ साल पहले एसपीडी पार्टी के नेता और जर्मनी के चांसलर रहे गेरहार्ड श्रोएडर के शासनकाल में शुरू हुई थी। इसके तहत उन लोगों को सरकार से पैसे मिलते हैं, जिनके पास नौकरी नहीं होती। अब नई व्यवस्था लागू होगी, जिसे 'बुर्गरगेल्ड' नाम दिया गया है। इस शब्द का मतलब है नागरिकों का पैसा। अगर संसद से इसे मंजूरी मिल जाती है, जिसकी काफी संभावना है तो अगले साल से यह व्यवस्था लागू हो जाएगी। जर्मनी में बेरोजगारों को मिलने वाली सुविधा दो श्रेणियों में बंटी हुई है। पहली श्रेणी में वो लोग आते हैं जो नौकरी ढूंढ रहे हैं। नौकरी करने वालों की नौकरी छूट जाने के बाद लोग दूसरी व्यवस्था के हकदार बनते हैं। आम तौर पर कर्मचारियों की तनख्वाह से एक हिस्सा काट कर इसके लिए जमा किया जाता है और उसी आधार पर कर्मचारी नौकरी छूटने पर इसका लाभ हासिल करते हैं। नई व्यवस्था में ज ब सेंटर से सुझायी गई नौकरी नहीं स्वीकार करने पर सुविधा पर प्रतिबंध लगाने का प्रस्ताव है। सरकार का कहना है कि सुझायी नौकरियों को स्वीकार नहीं करने आप पर प्रतिबंध ा तुरंत नहीं लगेगा। नौकरी लेने से इनकार करने के बाद छह महीने तक उस पर इसका कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं होगा। मगर आलोचक इसे नई योजना को स्वीकार कराने की एक चाल समझ रहे हैं।

मोदी बनाम नीतीश

समाजवादी पार्टी को उत्तर प्रदेश में सफल होने के लिए अपने मुस्लिम और यादव यानी माई समीकरण में कुछ अन्य जातियों को जोड़ना होगा। उन्होंने पिछली बार कृष्णा पटेल, केशव देव मौर्य और ओमप्रकाश राजभर के जरिए कुछ पिछड़ी जातियों को और जयंत चौधरी के जरिए जाट मतदाताओं को जोड़ने का प्रयास किया था लेकिन हिंदुत्व की लहर के आगे यह समीकरण काम नहीं आया। इससे उनको समझ में आया है कि हिंदुत्व की लहर की काट के लिए ज्यादा तीव्र जातीय लहर पैदा करनी होगी और उसके लिए जातीय अस्मिता को बड़े मुद्दे से जोड़ना होगा। यह काम नीतीश कुमार के जरिए हो सकता है। अगर नीतीश कुमार के नाम से यह प्रचार हो कि देश का पहला कुर्मी प्रधानमंत्री बनाना है या सरदार पटेल जो काम नहीं कर पाए वह नीतीश करेंगे तो उससे एक बड़ी लहर पैदा की जा सकती है। तभी माना जा रहा है कि अगले लोकसभा चुनाव में नीतीश कुमार को विपक्ष का साझा उम्मीदवार बनाए जाने की संभावना से सबसे ज्यादा उत्साहित अखिलेश यादव हैं। जैसे ही बिहार में नीतीश का तालमेल भाजपा से टूटा वैसे ही उत्तर प्रदेश में कई जगह होर्डिंग्स लग गए, जिन पर लिखा था 'यूपी प्लस बिहार इज इक्वल टू गई मोदी सरकार'। बताया जा रहा है कि अखिलेश यादव के साथ जदयू के शीर्ष नेताओं की बात हुई है और वहीं से यह बात निकली कि नीतीश कुमार को पूर्वी उत्तर प्रदेश की मिर्जापुर या फूलपुर सीट से लड़ना चाहिए। ध यान रहे नरेंद्र मोदी भी यूपी की वाराणसी सीट से लड़ते हैं। उनके अगल बगल की सीट से नीतीश के लड़ने से बड़ा माहौल बनेगा। मोदी बनाम नीतीश का मुकाबला समाजवादी पार्टी को बहुत फायदा पहुंचा सकता है। यादव के साथ दूसरी सबसे बड़ी पिछड़ी जाति समूह के जुड़ने से उत्तर प्रदेश की तस्वीर बदल सकती है।

उप्र में पल्स पोलियो अभियान शुरू

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को लखनऊ में पल्स पोलियो अभियान का उद्घाटन किया। इस अभियान का उद्घाटन रविवार को प्रदेश की राजध ानी लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया। इसके तहत पांच वर्ष तक के ६.३७ लाख बच्चों को पोलियो की दवा पिलाई जाएगी। जौनपुर जनपद में १८ से २३ सितंबर तक सघनपल्स पोलियो अभियान चलाया जा रहा है। जनपद के कलक्ट्रेट स्थित एनआईसी भवन में बदलापुर क्षेत्र के विधायक रमेश चंद्र मिश्रा, भारतीय जनता पार्टी के जिलाध यक्ष पुष्पराज सिंह सहित अन्य

जनप्रतिनिधियों के साथ जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा और मुख्य चिकित्साधिकारी (सीएमओ) डॉ लक्ष्मी सिंह ने कार्यक्रम में शामिल होकर जनपद में अभियान का शुभारंभ किया। इस मौके पर जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा, मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) डॉ लक्ष्मी सिंह ने जनपदवासियों अपील की है कि अभियान के दौरान अपने पांच वर्ष तक के बच्चों को पोलियो ड्रॉप अवश्य पिलाएँ। जिला प्रतिरक्षण अधिकारी (डीआईओ) डॉ नरेन्द्र सिंह ने बताया कि जनपद में रविवार को पोलियो बूथ दिवस मनाया जा रहा है जिसमें १८७२ बूथों पर पांच वर्ष तक के बच्चों को पोलियो की अतिरिक्त खुराक पिलाई जा रही है।

शौचालय में रखे भोजन पर बोले खेल निदेशक- नहीं बख्शे जाएंगे दोषी

लखनऊ। सहारनपुर में कबड्डी खिलाड़ियों को कथित रूप शौचालय में रखे भोजन को को देने के मामले में सरकार ने त्वरित रूप से क्रीड़ा अधिकारी को निलंबित कर दिया है। भोजन के ठेकेदार को भी ब्लैक लिस्ट में डाल दिया गया है। प्रकरण में खेल निदेशक आरपी सिंह ने कहा कि प्रदेश में खिलाड़ियों का सम्मान हो रहा है। सम्मान न होने की बात गलत है। खिलाड़ियों को वर्तमान में शासन स्तर से जितना उत्साहित किया जा रहा है, शायद ही कभी किया गया हो। उनके सेहत की चिंता भी हर वक्त सरकार करती रहती है। खेल निदेशक ने कहा कि कभी–कभी ऐसी घटनाएं हो जाती हैं। कुछ लोग तुच्छ मानसिकता के कारण भी किसी को बदनाम करने के लिए ऐसी हरकत कर देते हैं। इस संबंध में गहनता से जांच की जा रही है।

किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। जांच के बाद सख्त कार्रवाई होगी। अभी की कार्रवाई तो तात्कालिक है। आरपी सिंह ने कहा कि प्रदेश सरकार खिलाड़ियों के सम्मान में कई पुरस्कारों की घोषणा की। आज गांव स्तर पर खेल मैदान तैयार किये जा रहे हैं। खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए समय–समय पर प्रतियोगिताएं कराई जा रही हैं। इससे खिलाड़ियों में उत्साह है। यह बता दें कि सहारनपुर स्टेडियम में कबड्डी खिलाड़ियों को शौचालय में रखे भोजन को परोसने का एक वीडियो वायरल हुआ था। इसके बाद उप्र शासन ने मंगलवार को त्वरित कार्रवाई करते हुए क्षेत्रीय खेल अधिकारी को निलंबित कर दिया। उस संबंध में जांच बैठा दी। इसके बाद खेल अधिकारी के पक्ष में भी कई खेल संघों के बयान आये। इसी के बाद खेल निदेशक ने अपना बयान दिया है।

टॉयलेट में महिला खिलाड़ियों को परोसा था खाना, अधिकारी निंलबित

लखनऊ। कभी–कभी सोशल मीडिया में वायरल होने वाली तस्वीरें और वीडियो स्थति की गंभीरती से लोगों को रूबरू करा

देती है. ऐसा ही एक मामला उत्तर प्रदेश के सहारनपुर से सामने आया था जिसमें एक प्रमुख खेल स्टेडियम के शौचालय में महिला कबड्डी खिलाड़ियों को भोजन परोसा गया था. इसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद राज्य सरकार ने मंगलवार को एक क्षेत्रीय खेल अधिकारी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है. ये मामला सहारानपुर के ड. भीमराव अंबेडकर स्पोर्ट्स स्टेडियम का है. इस मामले में अधिक जानकारी देते हुए अपर मुख्य सचिव खेल नवनीत सहगल ने बताया कि मामले की जांच सहारनपुर के जिलाधिकारी अखिलेश सिंह को सौंप दी गयी है. उनसे तीन दिन के भीतर पूरी रिपोर्ट मांगी गई है. इस मामले का वीडियो वायरल होने के बाद प्रशासन में हड़कंप मच गया है. श्री सहगल ने कहा कि जिस ठेकेदार को खिलाड़ियों को खाना बनाने और उपलब्ध कराने का ठेका दिया गया था, उसे ब्लैकलिस्ट करने का निर्देश दिया गया है. साथ ही निर्देश दिया गया है कि उसे भविष्य में कोई काम न दिया जाये. श्री सहगल ने कहा कि सभी खेल अधिकारियों को चेतावनी दी गई है कि खिलाड़ियों को सुविधाएं मुहैया कराने में किसी भी तरह की लापरवाही कतई बर्दाश्त नहीं की जाएगी. वहीं जिलाधिकारी अखिलेश सिंह ने कहा कि १६ सितंबर से ड भीमराव अंबेडकर स्पोर्ट्स स्टेडियम में तीन दिवसीय सब जूनियर बालिका कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था. उन्होंने बताया कि पहले दिन ३०० खिलाड़ियों को दोपहर के भोजन के साथ परोसा गया चावल घटिया और आध पका हुआ था. इस वजह से आयोजकों ने चावल और पूरी की थाली शौचालय के अंदर छिपा दी।

तारपीन तेल की फैक्ट्री में लगी भीषण आग, मजदूर की मौत

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में मंगलवार रात एक तारपीन तेल की फैक्ट्री में आग लग गई। ऐसे में फैक्ट्री में मौजूद कर्मचारियों में चीखपुकार मच गई। इस दौरान आग की लपटें देखकर आसपास के घरों से लोग बाहर निकल आई। सूचना पर पहुंची दमकल की आठ गाड़ियों ने आग पर काबू पाया। जानकारी के मुताबिक आग में झुलसने से एक मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसकी इलाज के दौरान मौत हो गई। बता दें कि फैक्ट्री के अंदर लगी आग में जलकर हुए मजदूर की पहचान उन्नाव के औरास में रहने वाले ४० वर्षीय सुशील कुमार शर्मा के रुप में हुई है। वहीं घटना के बाद फैक्ट्री संचालक मौके से फरार हो गया है। मामले की जानाकीर देते हुए पारा इंस्पेक्टर दधिबल तिवारी

के मुताबिक, पारा मोहान रोड स्थित सलेमपुर पतौरा गांव में एक मकान में मंगलवार रात आग लग गई। यह मकान उन्नाव असीवन निवासी पंकज दीक्षित का है। जहां मजदूरों के खाना बना रहे थे। वहीं घटना के बाद से फैक्ट्री संचालक मौके से फरार हो गया है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार इस घटना के बाद स्थानीय लोगों ने जमकर हंगामा किया। उन्होंने मृतक मजदूर के परिवार को २० लाख रुपये और एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने की मांग की। वहीं हंगामे की सूचना पर जिलाधिकारी सूर्यपाल गंगवार समेत आलाधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं। उन्होंने मृतक के परिवार को पांच लाख रुपए के मुआवजा दिलाने का आश्वासन दिया है। वहीं स्थानीय लोगों ने बताया कि पारा पुलिस के संरक्षण में कई साल से घनी बस्ती के बीच फैक्ट्री चल रही थी।

सपा के पूर्व विधायक छोटे लाल समेत कई नेता कांग्रेस में हुए शामिल

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के पूर्व विधायक छोटे लाल गंगवार समेत कई नेता मंगलवार को कांग्रेस में शामिल हो गये। प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में इन नेताओं ने सदस्यता ग्रहण की। शामिल होने वाले नेताओं में सदस्य जिला पंचायत राम बहादुर वर्मा, सुरेश गंगवार, मेवाराम प्रधान, तेग बहादुर गंगवार, हरिशंकर, प्रेम शंकर, रियाज अंसारी, डॉ मुख्तार मंसूरी समेत सैकड़ों नेता शामिल हुए। इस मौके पर कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव तौकीर आलम, प्रदेश कांग्रेस के मीडिया विभाग के चेयरमैन नसीमुद्दीन सिद्दीकी, संगठन सचिव अनिल यादव, बरेली के जिलाध्यक्ष अशफाक सकलानी मौजूद थे। राष्ट्रीय सचिव तौकीर आलम ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए

कहा कि पूरा देश कांग्रेस की ओर आशा भरी निगाह से देख रहा है। अन्य दलों से मोह भंग कर लोग कांग्रेस पार्टी में अपनी आस्था दिखा रहे हैं। यह आने वाले समय का यह शुभ संकेत है।

धरने पर बैठे अखिलेश

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव और विधायकों को महंगाई और बेरोजगारी सहित अन्य मुद्दों पर विधानसभा तक

पैदल मार्च कर रहे पुलिस ने राजभवन से पहले ही रोक लिया। सोमवार से शुरू हो रहे विधान सभा के मानसून सत्र में हिस्सा लेने के लिए सपा विधायक अखिलेश की अगुवाई में पैदल मार्च करते हुए विधान भवन जा रहे थे। थोड़ा आगे बढ़ने के बाद पुलिस ने बैरिकेट लगाकर अखिलेश और अन्य सपा विधायकों को राजभवन से पहले रोक दिया। सपा विधायक हाथों में तख्ती लेकर विरोध जताते हुए आगे बढ़ रहे थे। सपा कार्यालय से कुछ दूर आगे बढ़ने पर ही उन्हें रोकि दिया गया। पुलिस अधिकारियो ने उन्हें पैदल मार्च करने से मना किया। पुलिस द्वारा आगे नहीं बढ़ने देने पर अखिलेश सहित सभी सपा विधायक सड़क पर ही धरने पर बैठ गए। पुलिस उन्हें मनाने की कोशिश कर रही है।

नगर निगम के लोक मंगल दिवस पर 39 शिकायतों में 11 का हुआ निस्तारण

लखनऊ। जनता की समस्याओं के निस्तारण के लिए लखनऊ नगर निगम की ओर से लोक मंगल दिवस का आयोजन लगातार किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि कोरोना संक्रमण फैलने के बाद इसका आयोजन बंद कर दिया गया था। जनवरी २०२१ से इस लोक मंगल दिवस का फिर से शुरूआत की गयी है। इसी के तहत जोन ६ में लोक मंगल दिवस का आयोजन किया गया। लोगों की समस्याओं को सुनने के लिए लखनऊ नगर निगम कार्यकारिणी उप सभापति प्रदीप कुमार शुक्ला, पार्षद अनुराग मिश्रा अन्नू, पार्षद संतोष राय जोनल अधिकारी डॉ बिन्नो रिजवी कर अधीक्षक संतोश गुप्ता, सफाई एवं खाद्य निरीक्षक मो तैय्यब समेत कई अधिकारी मौजूद रहे है। सुबह १० बजे से ही जोन ६ में करीब ६ पटलों पर लोगो की शिकायत सुनने के लिए अधि

ाकारीयों को तैनात किया गया था। जिसमे मार्ग प्रकाश,उद्यान विभाग, कर विभाग, स्वास्थ्य विभाग, अभियंत्रण, सीवर एवं जल–कल, विभाग से संबंधित पटल बनाकर लोगों के समस्याओं के निस्तारण की बात की जा रही थी, हालाकिं लोगों का आना ११ बजे से शुरू हुआ। जोन ६ की जोनल अधिकारी ड बिन्नो रिजवी ने बताया कि नगर निगम की ओर से आयोजित इस लोक मंगल दिवस में सबसे ज्यादा कर निर्धारण और म्यूटेशन यानि नामांतरण की शिकायत आयी, इसके अलावा सीवर लाइन–पाइपलाइन व स्ट्रीट लाइट, सफाई और सड़कों के मरम्त की शिकायतें आईं। जिसमें से टैक्स से सम्बंधित ४ और अन्य साफ सफाई को लेकर शिकायत रही, जिसका निस्तारण आज ही कर दिया जायेगा। शेष बची हुयी शिकायत को सम्बंधित अधिकारीयों को निराकरण के लिए भेज दिया गया है।

होटल जस्ट नाइन इन में युवती की हत्या किसी और ने नहीं बल्कि उसके पहले प्रेमी की

लखनऊ। राजधानी के कैसरबाग थानाक्षेत्र अन्तर्गत होटल जस्ट नाइन इन में युवती की हत्या किसी और ने नहीं बल्कि उसके पहले प्रेमी सुशील ने ही की थी। सर्विलांस टीम की मदद से पुलिस ने सुशील की गिरफ्तारी कर इस हत्याकांड का पर्दाफाश किया है। पूछताछ के दौरान हत्यारोपी ने प्रेमिका की बेवफाई पर हत्या करने की बात कबूल की है। प्रेस वार्ता के दौरान यह जानकारी डीसीपी वेस्ट शिवासिम्पी चन्नपा ने दी है। कैसरबाग कोतवाली प्रभारी अजय नारायण सिंह के मुताबिक, होटल के रिक र्ड में रजिस्टर्ड में युवती और उसके साथी युवक के दस्तावेज समेत सीसीटीवी फुटेज में अहम सुराग मिले थे। पड़ताल में सामने आया कि युवती आलमनगर बादशाहखेड़ा निवासी सुशील कुमार जायसवाल के साथ होटल के रुम नंबर ६२६ में ठहरी हुई थी। प्रेमिका की बेवफाई से नाराज सुशील ने उसकी हत्या कर घटनास्थल से भाग निकला। पुलिस ने सर्विलांस की मदद से हत्यारोपी और मृतका के बारे में जानकारी हुई। गहनता से पड़ताल करने पर एक सच्चाई उजागर हुई मई २०२२ को सुशील ने मृतका के लिए बीकेटी के मिश्रीपुर में एक जमीन खरीदी थी। जमीन के दस्तावेज को लेकर दोनों के बीच विवाद भी हुआ था। १२ सितम्बर को सुशील ने युवती को प्लाट के कागजात देने का झांसा देते हुए बुलाया था। इसके बाद हत्यारोपी ने उससे दुष्कर्म किया और विरोध करने पर गला दबा कर हत्या कर दी। इसके बाद हत्यारोपी ने मृतका के शव को फंदे पर लटका दिया था। जांच के आधार पर पुलिस ने हत्यारोपी सुशील और उसके मददगार राजेश को भी गिरफ्तार किया है। प्रेमिका की हत्या करने के बाद हत्यारोपी इंटौजा थानाक्षेत्र के रायुपर निवासी राजेश सिंह के घर पर चला गया था। राजेश हत्यारोपी का दोस्त है। पकड़े जाने के भय से हत्यारोपी नेपाल भाग गया था। दो दिन नेपाल में रुकने के बाद वह लखनऊ आ गया था लेकिन मामला तुल पकड़ने लगा। कोर्ट में सरेंडर करने से पहले पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर दिया। हत्यारोपी ने बताया कि छह साल वह मृतका को डेट कर रहा था। वह उससे शादी करना चाहता था, लेकिन एक–डेढ़ साल से उसकी प्रेमिका नितिन द्विवेदी के संपर्क में आ गई थी और उसके साथ रहने लगी थी। इसको लेकर दोनों के बीच कई बार कहासुनी हुई, लेकिन वह नहीं मानी।

यूपी के क्रिकेटरों ने यूपीसीए पर आरोप लगाते हुए किया प्रदर्शन

लखनऊ। राजधानी के गोमती नगर स्थित एक निजी होटल के पास उत्तर प्रदेश क्रिकेट प्लेयर एसोसिएशन के बैनर तले जुटे खिलाड़ियों ने जमकर विरोध

प्रदर्शन किया। खिलाड़ियों का यह विरोध प्रदर्शन उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन की बैठक को लेकर था। क्रिकेट प्लेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष अरविन्द सिंह के मुताबिक यूपीसीए में खिलाड़ियों के चयन के दौरान घोर अनिमित्ता बरती जा रही है। उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन यूपी के खिलाड़ियों के लिए है। लेकिन दूसरे प्रांत के खिलाड़ी यहां पर खेल रहे हैं। यूपी रणजी ट्राफी टीम में बहुत से खिलाड़ी इस समय बाहर के हैं। प्रदेश के खिलाड़ियों को मौका नहीं मिल रहा है। क्रिकेट प्लेयर एसोसिएशन ने यूपी में ३५ जिलों को मान्यता दिया जाने, सलेक्शन मैचों की आनलाइन स्कोरिंग, लोडा कमेटी के नियमावली लागू करने समेत पूर्वांचल के खिलाड़ियों को यूपी टीम में जगह दिये जाने को लेकर आज प्रदर्शन किया है। इस प्रदर्शन में विनय यादव, शिवांजली पाण्डे, दुर्गा यादव, आसूतोष उपाध्याय, आसू गुप्ता, किशन सिंह, ज्योति पाठक, प्रदीप पाण्डे, मनोहर, अनुराधा, खुशी सहित कई लोगों ने प्रदर्शन में हिस्सा लिया।

वैश्विक रिपोर्टका ऐलान दुनिया मंदी की ओर, भारत का क्या होगा?

नई दिल्ली। दुनिया भर के देश पहले ही कोरोना जैसी महामारी का सामना करने के बाद से स्थिति से उबरने की कोशिश में लगे हुए हैं लेकिन एक रिपोर्ट ने एक बार फिर से डराने का काम किया है. वैश्विक रेटिंग एजेंसी **S&P** ने मंगलवार को कहा है कि अमेरिका और यूरो क्षेत्र धीरे–धीरे मंदी की ओर अग्रसर हो रहे हैं. रिपोर्ट में कहा गया है कि आने वाले २०२३ के पहले तक दुनिया के लाखों लोग रोजगार को लेकर संघर्ष करते नजर आ सकते हैं. हालांकि राहत वाली बात ये है कि रिपोर्ट में ये भी कहा गया है कि इस मंदी का भारत पर कोई असर नहीं होने वाला है.मंदी को लेकर कहा गया है कि कोरोना महामारी के बाद लोगों के लिए ये एक बड़ी परेशानी होने वाली है. भारत को इस खतरे से दूर बताने के पीछे जो तर्क दिए गए हैं वो ये हैं.

भारत पर इसका असर पड़ने की आशंका नहीं है क्यों कि भारत की अर्थव्यवस्था वैश्विक अर्थव्यवस्था से बहुत ज्यादा जुड़ी हुई नहीं है. **S&P** ग्लोबल में मुख्य अर्थशास्त्री एवं प्रबंध निदेशक पॉल एफ ग्रुएनवाल्ड ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था अपनी व्यापक घरेलू मांग की वजह से वैश्विक अर्थव्यवस्था से बहुत अलग है. भारत को सेफ बताने के पीछे का एक और कारण बताया गया है जिसमें कहा गया है कि भारत ऊर्जा का शुद्ध आयात करता है. एक ओर भारत के पास विदेशी मुद्रा का पर्याप्त भंडार है वहीं आपकी कंपनियां भी अच्छा बहीखाता कायम रखने में सफल रही हैं. ग्रुएनवाल्ड ने कहा कि देखा जाए तो भारत वैश्विक अर्थव्यवस्था से कभी भी पूरी तरह से जुड़ा नहीं था और इसलिए यह वैश्विक बाजारों से तुलनात्मक रूप से स्वतंत्र है. उन्होंने कहा कि अमेरिका और यूरोप में मंदी आती है तो बहुत कुछ वैश्विक कोष के प्रवाह पर भी निर्भर करेगा।

शाह का बिहार दौरा, भाजपा में उत्साह

पूर्णिया। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के बिहार दौरे को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह है। शाह २३ सितंबर को पूर्णिया में

जनभावना सभा (रैली) को संबोधित करेंगे, जबकि २४ सितंबर को कशनगंज में विभागीय बैठक करेंगे। भाजपा के बिहार प्रदेश अध्यक्ष डॉ संजय जायसवाल भी कहते हैं कि आगामी २३ सितंबर को गृह मंत्री के पूर्णिया में हो रही जनभावना सभा को लेकर गजब का उत्साह पूरे सीमांचल में देखने को मिल रहा है। पूर्णिया के इंदिरा गांधी स्टेडियम में नेताओं के बैठने के लिए ५६ फीट चौड़ा और २८ फीट लंबा स्टेज बनाया जा रहा है, जबकि आम लोगों के लिए अल्युमुनियम के दो शेड बनाये जा रहे हैं, इनमें एक की लंबाई १०० मीटर और चौड़ाई ४० मीटर और दूसरे शेड की लंबाई ६० मीटर और चौड़ाई २० मीटर है।

संसद को उड़ाने की धमकी देने वाले पूर्व विधायक गिरफ्तार

भोपाल। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने सोमवार को समाजवादी पार्टी के पूर्व विधायक किशोर समरीते को संसद को उड़ाने की धमकी देने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया है। पूर्व विधायक को भोपाल से गिरफ्तार किया है। दिल्ली में पुलिस अधिकारियों ने कहा कि समरीते ने शनिवार को कथित तौर पर अधिकारियों को धमकी भरे पत्र के साथ एक पैकेट भेजा था। अधिकारियों ने कहा कि पूर्व विधायक ने उनकी मांगें नहीं माने जाने पर ३० सितंबर को संसद को उड़ाने की धमकी दी। भोपाल के अतिरिक्त पुलिस आयुक्त सचिन अतुलकर ने बताया कि दिल्ली पुलिस ने समरीते को भोपाल से गिरफ्तार किया। दिल्ली पुलिस ने मध्य प्रदेश पुलिस को सूचित किया है कि उन्होंने पूर्व विधायक को गिरफ्तार करने और अदालत में पेश करने के बाद ट्रांजिट रिमांड पर लिया है। पुलिस ने बताया कि समरीते को भोपाल के कोलार रोड स्थित उनके घर से गिरफ्तार किया गया। समरीते ने लोकसभा व राज्यसभा के महासचिव को एक बैग में धमकी भरे पत्र के साथ विस्फोट के काम आने वाली जिलेटिन र ड भेजकर संसद भवन उड़ाने की धमकी दी थी। समरीते बालाघाट की लांजी विधानसभा से विधायक रह चुके हैं। उन पर नक्सलियों से साठगांठ के भी आरोप लग चुके हैं। एक हफ्ते पहले संसद भवन में सिक्योरिटी गार्ड को एक बैग मिला था, जिसमें राष्ट्रीय ध्वज, संविधान की क पी, जिलेटिन र ड और एक पत्र था। इस पत्र में लिखा था– यदि हमारी ७० सूत्री मागें पूरी नहीं हुईं तो सेंट्रल विस्टा को बम से उड़ा देंगे। इसके लिए ३० सितंबर की टाइम लाइन भी तय की थी। इसके बाद दिल्ली क्राइम ब्रांच, खुफिया ब्यूरो सहित अन्य एजेंसियां अलर्ट हो गईं।

अमानतुल्ला चार दिन की पुलिस हिरासत में

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के विधायक अमानतुल्ला खान को दिल्ली की एक अदालत ने चार दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया है। वक्फ बोर्ड में हुई कथित गड़बड़ियों के मामले में गिरफ्तार आप विधायक अमानतुल्लाह खान को को राउज एवेन्यू अदालत में पेश किया गया था। अदालत ने उनको चार दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया है। इससे पहले अदालत ने दोनों पक्षों की दलील सुन कर फैसला शाम साढ़े पांच बजे तक के लिए सुरक्षित रख लिया था। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, एसीबी ने अमानतुल्ला खान को शुक्रवार को गिरफ्तार किया था। उनके शनिवार को राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश किया गया। उनकी सुनवाई विशेष जज विकास ढुल की अदालत में हुई। एसीबी

ने अदालत से अमानतुल्ला खान की १४ दिन की पुलिस हिरासत मांगी थी। एसीबी ने कहा– हमको अमानतुल्ला द्वारा अपने परिजनों को वक्फ बोर्ड में नियुक्त करने की शिकायत मिली थी। जांच के लिए चार टीम बनाई गई और वो टीम जब वहां पहुंची तो उन पर हमला किया गया। वक्फ में नियुक्त किए गए ३२ में से २७ लोग विधायक के करीबी हैं। एसीबी ने कहा कि लोकल अखबार में वक्फ में नियुक्ति को लेकर इश्तहार निकाला गया था, जिसके बाद ३३ में से ३२ को ज्वाइन कराया गया। इनमें से २२ कर्मचारी ओखला विधानसभा से हैं, जहां से एमएलए आते हैं। एसीबी का कहना है कि वो सभी लोग विधायक के जानकार हैं और पांच उनके रिश्तेदार हैं। एसीबी ने अदालत से कहा कि शुक्रवार की जांच में दो जगहों से २४ लाख नकद मिले हैं, हाथ से लिखी चार करोड़ रुपए की एंट्री मिली है।

मॉनसून सत्र के पहले दिन अखिलेश ने दिखाए तेवर

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में विधानमंडल के मॉनसून सत्र की कार्यवाही शुरू होने से पहले ही सोमवार को समाजवादी पार्टी (सपा) का लखनऊ की सड़क पर विरोध देखने को मिला। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने मानसून सत्र के पहले ही दिन विपक्ष का टोन सेट करते हुए सड़क पर केंद्र की भाजपा सरकार को निशाने पर लिया। मामला महंगाई के विरोध का था, इसलिए सूबे की सरकार ने सपा कार्यालय से पैदल मार्च करते हुए विधानसभा जा रहे अखिलेश यादव और सपा के विधायकों को सड़क पर ही रोक लिया। सपा के इस मार्च पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने तंज कसा। उन्होंने कहा कि सपा से नियम मानने, शिष्टाचार की उम्मीद करना कपोल कल्पना है। सोमवार के इस घटना क्रम से अब साफ हो गया है कि यूपी में सपा और भाजपा के बीच ऐसी जंग जारी रहेगी । इस सियासी जंग के चलते ही उत्तर प्रदेश विधानमंडल के मानसून सत्र में पहले दिन की कार्यवाही सिर्फ २५ तक चली। विधान भवन में इस दौरान भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ बहुजन समाज पार्टी (बसपा), कांग्रेस

तथा अन्य दल के नेताओं ने शोक प्रस्ताव में भाग लेकर भाजपा के विधायक अरविंद गिरि को शोक संवेदना व्यक्त की। सदन में सपा का कोई भी सदस्य नहीं पहुंच सका। सपा के सभी विधायक पैदल मार्च को लेकर सड़क पर पुलिस से जूझते रह गए। सदन में प्रगतिशील समाजवादी पार्टी के मुखिया व सपा विधायक शिवपाल सिंह यादव भी नहीं पहुंचे। ऐसे में लखीमपुर खीरी के गोला गोकर्ण के भाजपा के विधायक अरविंद गिरि के निधन पर शोक प्रस्ताव के बाद सदन मंगलवार ११ बजे तक के लिए स्थगित हो गया। शोक प्रस्ताव के दौरान सीएम योगी आदित्यनाथ ने दावा किया कि प्रदेश में कहीं पर भी अराजकता के लिए कोई जगह नहीं है।सूबे के २५ करोड़ लोगों के हितों के लिए डबल इंजन की सरकार बिना भेदभाव के कार्य कर रही है। डबल इंजन की सरकार समाज के अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति को शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचा रही है।सपा के पैदल मार्च पर सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सूबे में अराजकता के लिए जगह नहीं है। किसी भी दल और व्यक्ति को लोकतांत्रिक तरीके से अपनी बात रखने में कहीं कोई बुराई नहीं है। अगर उन्होंने (समाजवादी पार्टी) अनुमति मांगी होगी तो जो भी सरल मार्ग होगा प्रशासन ने उनको उपलब्ध कराया होगा। मुझे लगता है कि समाजवादी पार्टी से यह उम्मीद करना कि वह किसी नियम या किसी शिष्टाचार को माने, यह केवल एक कपोल कल्पना ही कही जा सकती है। वही दूसरी तरफ सपा मुखिया अखिलेश यादव ने म नसून सत्र के पहले ही साफ कर दिया था कि इस बार योगी आदित्यनाथ के लिए चीजें उतनी आसान नहीं रहने वाली हैं। इसी रणनीति के तहत अखिलेश ने सूबे की खस्ताहाल सड़कों, सूखे और बाढ़ से प्रेषण किसानों को मुआवजा ना मिलने, बढ़ी महंगाई, बेरोजगारी और खराब कानून व्यवस्था के सवाल पर योगी सरकार को घेरा। सत्र के दौरान भाजपा की खामियों को उजागर करने वाले इन जनहित के मुद्दों को उठाने की बात अखिलेश ने की। इसके जरिए अखिलेश २०२४ लोकसभा चुनाव की तैयारियों का भी टोन सेट करना चाहते हैं। इसी रणनीति के चलते सपा में महंगाई और कानून व्यवस्था के मुददे पर पैदल मार्च निकाला। सपा के जनहित के मुद्दों पर काउंटर कर पाना भाजपा के लिए मुश्किल हुआ। महंगाई, बेरोजगारी और कानून व्यवस्था, सभी मुद्दे गरम हैं। ऐसे में योगी जब सामने आए तो उन्होंने सपा के चरित्र पर सवाल किया। यूपी में अब यह राजनीति लगातार देखने को मिलेगी, आज इसके पुख्ता संकेत दिख गए हैं।

दूसरों को उपदेश देना है आसान : सीएम योगी

लखनऊ। विधानमंडल में मानसून सत्र के दूसरे दिन हंगामे के साथ कार्यवाही शुरू होने के बाद सत्ता पक्ष और विपक्ष में सवाल–जवाब हुए। सदन के नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव ने प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर सवाल उठाए जिसका जवाब नेता सदन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दिया। हालांकि, नेता प्रतिपक्ष अखिलेश नेता सदन मुख्यमंत्री योगी के जवाब से संतुष्ट नहीं हुए और सदन से व कआउट कर लिया। अखिलेश यादव ने स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर कहा कि अगर सरकार के पास बजट नहीं है तो मुख्यमंत्री को स्वीकार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार सभी स्वास्थ्य सेवाओं को प्राइवेट कर देना चाहती है जिससे इलाज आम लोगों से दूर हो जाए। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि सरकार कहती है कि अस्पतालों में स्टाफ नहीं है तो भर्ती करें। पीएचसी, सीएचसी, जिला अस्पताल में ड क्टर उपलबध

करवाएं। उन्होंने कहा कि सरकार एक तरफ तो मुफ्त इलाज देने का वादा करती है दूसरी तरफ सभी तरह की जांच प्राइवेट हाथों में दे रही है। एमआरआई और सिटी स्कैन हर चीज का पैसा लिया जा रहा है। इसका जवाब देते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पलटवार करते हुए कहा कि पर उपदेश कुशल बहुतेरे यानि दूसरों को उपदेश देना बहुत आसान है। उन्होंने कहा कि दुर्भाग्य से प्रदेश में चार बार सपा की सरकार रही है। प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं में पिछले पांच साल में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। पूर्वांचल में पहले इंसेफलाइटिस से हर साल सैकड़ों मौतें होती थीं पर अब साल दर साल मौतों में कमी होते–होते इस बार एक भी मौत नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की शिक्षा व स्वास्थ्य सेवाओं की जितनी बदहाली तथाकथित समाजवादियों ने की उतनी किसी ने नहीं की। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं का विकास किया जा रहा है।

दिल्ली–राजस्थान सहित देश में आज४ हजार नए कोरोना मरीज

नई दिल्ली। भारत में बीते तीन दिनों से कोरोना के नए संक्रमितों का आंकड़ा चार हजार के पार दर्ज किया जा रहा है। राजधानी दिल्ली और राजस्थान में भी पिछले दिनों के मुकाबले कोरोना के केस अधिक दर्ज हुए हैं। इनके बीच देश में पिछले २४ घंटे में कोरोना के ४,५१० नए मामले सामने आए और १४ संक्रमितों की मौत हो गई है। हालांकि, इसी दौरान ५,६४० लोग ठीक हुए हैं। देश में अभी कोरोना के सक्रिय मामलों की संख्या ४६,२१६ हैं जबकि, दैनिक प जिटिविटी दर १.३३ फीसदी है। देश राजधानी दिल्ली में कोरोना संक्रमितों के आंकड़े में पिछले २४ घंटे के दौरान बढ़ोतरी दर्ज हुई है। यहां कोरोना के ८१ नए मामले सामने आए हैं जबकि, ६८ कोरोना मरीज ठीक हुए हैं। दिल्ली में अब सक्रिय मामलों की संख्या ४६३ रह गई है। राजस्थान में बीते दिन कोरोना ने ३ लोगों की सांसें छीन ली है। वहीं एक बार फिर से कोरोना के नए मामलों में उछाल आया है। राज्य में पिछले २४ घंटे

में कोरोना के १०६ नए मामले सामने आए जिनमें सर्वाधिक २५ संक्रमित जयपुर में मिले हैं। इसके अलावा राज्य के दौसा जिले में २ और जयपुर में एक कोरोना मरीज की मौत हो गई है। अभी भी प्रदेश में कोरोना के १०८६ मामले सक्रिय हैं।

अखिलेश को लेकर अचानक नरम पड़े मायावती के तेवर

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में सियासी हलचल तेज है। इन सब के बीच अखिलेश यादव जबरदस्त तरीके से योगी सरकार पर हमलावर हैं। समाजवादी पार्टी की ओर से सोमवार को एक पैदल मार्च निकाला गया था जिसका नेतृत्व अखिलेश यादव कर रहे थे। पुलिस ने मार्च को रोक दिया था। इसके बाद अखिलेश यादव ने जबरदस्त तरीके से भाजपा और योगी सरकार पर निशाना साधा था। वहीं, मंगलवार को मायावती ने भी भाजपा सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने अपने ट्वीट में समाजवादी पार्टी का नाम नहीं लिया। लेकिन कहीं ना कहीं विपक्ष के मार्च को पुलिस द्वारा रोके जाने का मुद्दा उठाया और सरकार पर निशाना साधा। २०१६ चुनाव के बाद यह पहला मौका है जब मायावती के तेवर अखिलेश यादव के प्रति नरम पड़े हैं। ऐसे में सवाल उठने लगे हैं कि क्या मायावती और अखिलेश यादव एक बार फिर से साथ आ सकते हैं? सबसे पहले आपको बताते हैं कि आखिर मायावती ने अपने ट्वीट में क्या लिखा था। दरअसल, मायावती ने अपने ट्वीट में लिखा कि विपक्षी पार्टियों को सरकार की जनविरोधी नीतियों व उसकी निरंकुशता तथा जुल्म–ज्यादती आदि को लेकर धरना–प्रदर्शन करने की अनुमति नहीं देना भाजपा सरकार की नई तानाशाही प्रवृति हो गई है। साथ

ही, बात–बात पर मुकदमे व लोगों की गिरफ्तारी एवं विरोध को कुचलने की बनी सरकारी धारणा अति–घातक। उन्होंने आगे लिखा कि महंगाई, गरीबी, बेरोजगारी, बदहाल सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य व कानून व्यवस्था आदि के प्रति यूपी सरकार की लापरवाही के विरुद्ध ध्ारना–प्रदर्शन नहीं करने देने व उनपर दमन चक्र के पहले भाजपा जरूर सोचे कि विधानभवन के सामने बात–बात पर सड़क जाम करके आमजनजीवन ठप करने का उनका क्रूर इतिहास है। २०२४ चुनाव को लेकर विपक्ष अपने समीकरणों को साधने में जुटा हुआ है। विपक्ष की ओर से मोदी सरकार पर जबरदस्त तरीके से हमले किए जा रहे हैं। महंगाई, गरीबी, बेरोजगारी का मुद्दा उठाया जा रहा है। इसके साथ ही कई सहयोगी दल भाजपा से अलग हो चुके हैं। बिहार में नीतीश कुमार और तेजस्वी यादव एक साथ हो चुके हैं तो वही कई विपक्षी दल लगातार अलग–अलग मोर्चे का निर्माण करने में जुटे हुए हैं। ऐसे में उत्तर प्रदेश में भी बुआ–भतीजा को साथ लाने की कोशिश की जा रही है। हाल में ही संपन्न हुए विध्ाानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी ने अलग–अलग चुनाव लड़ा था। बहुजन समाज पार्टी को बहुत ज्यादा फायदा नहीं हो पाया और सिर्फ एक सीट ही मिली। ऐसे में मायावती को फिलहाल गठबंधन का ही सहारा है। शायद यही कारण है कि वह अखिलेश यादव के प्रति नरम रुख दिखा रही हैं। २०१६ के चुनाव में भी दोनों दलों ने एक साथ गठबंधन में चुनाव लड़ा था। मायावती को १० सीटों पर जीत मिली थी। वहीं, अखिलेश यादव ५ सीटों पर जीत हासिल करने में कामयाब हुए थे।

उद्धव ठाकरे दशहरा रैली के लिए हाई कोर्ट पहुंचे

मुंबई। महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाले शिवसेना गुट ने शिवाजी पार्क में दशहरा रैली करने की अनुमति के लिए बंबई हाई कोर्ट में याचिका दायर की। शिवसेना के सचिव अनिल देसाई की ओर से दायर में कहा गया है कि पार्टी मुंबई नगर निकाय ने अब तक रैली की अनुमति के लिए भेजे गए उसके आवेदनों पर निर्णय नहीं लिया है। याचिका में बीएमसी को तत्काल अनुमति देने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया है।

जस्टिस आर.डी. धानुका की अध्यक्षता वाली खंडपीठ इसे बृहस्पतिवार को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया।

विधानसभा में योगी सरकार को अखिलेश ने घेरा

लखनऊ। यूपी विधानसभा के मानसून सत्र के दूसरे दिन आज सदन की कार्यवाही शुरू हुई। कार्यवाही की शुरुआत में सदन में सपा के सदस्यों ने जमकर नारेबाजी की। हालांकि, हंगामे के कुछ देर बाद कार्यवाही शुरू हो गई। कार्यवाही के दौरान अखिलेश यादव ने स्वास्थ्य सेवाओं के मामले में यूपी सरकार पर सवाल उठाये। उन्होंने कहा कि सरकार के मंत्री छापा मारते हैं लेकिन इससे व्यवस्था और खराब हो जाती है। अखिलेश यादव ने इशारों–इशारों में डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक पर निशाना साधा। साथ ही उन्होंने एम्बुलेंस और इलाज के अभाव में हुई मौतों

को लेकर भी सरकार को घेरा। सदन कि कार्रवाई अभी जारी है। इस समय विपक्ष के सवालों का जवाब सीएम योगी दे रहे हैं।

शरद पवार का केंद्र पर निशाना

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (छंजपवदंसपेज ब्वदहतमेे च्ंतजल) प्रमुख शरद पवार (ैंतक च्ूंत) ने केंद्र सरकार पर आरोप लगाया है कि विपक्षी दलों के नेताओं की गिरफ्तारी एक योजना के रूप किया जा रहा है। पवार ने समाचार पत्र का हवाला देते हुए कहा कि जिस तरह केंद्रीय जांच एजेंसियों ने किस तरह विपक्षी दलों व उनके नेताओं के खिलाफ कार्रवाई तेज की है उसका पूरा ब्योरा है। उससे ऐसा प्रतीत होता है कि विपक्षी दलों के नेताओं के खिलाफ मामले दर्ज कराना और उन्हें गिरफ्तार करवाना केंद्र की प्रमुख परियोजना है। पवार ने कहा कि जब भी उन्हें (सरकार को) चुनाव के नतीजों को लेकर

संदेह होता है तो इस प्रकार के कदम महत्वपूर्ण कार्य के तौर पर उठाए जाते हैं। समाज के सामने मौजूद चुनौतियों और मुद्दे दरकिनार रख दिए जाते हैं। राकांपा प्रमुख ने कहा कि हम इसका राजनीतिक तरीके से जवाब देंगे। पात्रा च ल के पुनर्विकास से जुड़े धनशोध ान के मामले की प्रमुख गवाह ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से कथित तौर पर कहा है कि २००८–०६ में इलाके के कुछ निवासियों ने च ल के पुनर्विकास के लिए स्थानीय राजनेताओं के माध्यम से राकांपा प्रमुख शरद पवार से संपर्क किया था। इस मामले में शिवसेना सांसद संजय राउत भी एक आरोपी हैं। मामले की जांच ईडी कर रही है।

समाजवादी पार्टी ने किया सदन से वाकआउट

लखनऊ। यूपी विधानसभा के मानसून सत्र के दूसरे दिन आज सदन की कार्यवाही में सीएम योगी ने अखिलेश यादव के सवाल के जवाब में अपनी बात रखी। इसको लेकर अखिलेश यादव ने कहा कि वो सीम के जवाब से संतुष्ट नहीं हैं। जिसके बाद सपा सदस्यों ने सदन से वाकआउट कर दिया। बताते चलें कि अखिलेश यादव ने सदन में कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर यूपी में स्थिति खराब है। उन्होंने एम्बुलेंस सहित कई सुविधाओं के अभाव में होने वाली मौतों के आंकड़े गिनाये। इसके जवाब में सीएम योगी ने कहा कि भाजपा सरकार में इंसेफेलाइटिस समेत कई बीमारियों को लेकर बहुत अच्छा काम हुआ है। जबकि सपा सरकार इनके चलते हुई मौतों पर संवेदना भी नहीं दिखती थी। इससे पहले अखिलेश यादव ने इशारों–इशारों में डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक पर निशाना साधा। साथ ही उन्होंने एम्बुलेंस और इलाज के अभाव में हुई मौतों को लेकर भी सरकार को घेरा। इसके जवाब सुनने के बाद उन्होंने सदन से वाकआउट कर दिया।

उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक महानगर की कार्यकारिणी का निर्वाचन हुआ संपन्न, निर्विरोध संदीप कुमार बने अध्यक्ष अभय प्रकाश मंत्री

लखनऊ। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक महानगर की कार्यकारिणी का निर्वाचन पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार रविवार को शिक्षक भवन रिसालदार पार्क, लालकुआं, लखनऊ में सम्पन्न हुआ। जिसमें संदीप कुमार अध्यक्ष और अभय प्रकाश मंत्री पद पर एंव सै० अब्बास रजा जैदी कोषाध्यक्ष पद के लिए चुने गये। प्रदेश संगठन द्वारा निर्धारित समय ९रू०० से १०रू०० तक केवल अध्यक्ष, मंत्री और कोषाध्यक्ष के पद का एक–एक नामांकन पत्र ही प्राप्त हुआ जांच में तीनों नामांकन पत्र वैध पाए गए। उसके उपरांत निर्वाचन पर्यवेक्षक श्री सुधांशु मोहन तथा निर्वाचन अधिकारी श्री वीरेंद्र सिंह द्वारा श्री संदीप सिंह को अध्यक्ष, श्री अभय प्रकाश को मंत्री तथा सैय्यद अब्बास रजा जैदी को कोषाध्यक्ष निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया। इस अवसर पर नगर क्षेत्र के सभी १६७ सदस्य शिक्षक उपस्थित थे प्रदेश अध्यक्ष डॉ दिनेश शर्मा जी और महामंत्री संजय सिंह जी द्वारा महानगर क्षेत्र के अध्यक्ष मंत्री को जीत की बधाई दी गई उपस्थित सभी शिक्षकों ने सभी पदाधिकारियों का फूल मालाओं से स्वागत किया।

स्कॉर्पियो और ट्रक की टक्कर में दो की मौत, छह घायल

कानपुर। चकेरी थाना क्षेत्र के कोयला नगर हाईवे पर स्क र्पियो कार और ट्रक की टक्कर हो गई। हादसे में स्क र्पियो सवार ८ लोग घायल हो गए। जिसमें २ लोगों के उपचार के दौरान हैलट अस्पताल में मौत हो गई। जबकि छह घायलों का इलाज हैलट में चल रहा है। लखनऊ के थाना मोहनलालगंज अंतर्गत मीनापुर गांव निवासी ५० वर्षीय सुरेंद्र कुमार यादव ट्रेवल्स का काम करते थे। उनके परिवार में पत्नी केशरानी और ३ बच्चे हैं। रविवार को वह अपने गांव के रहने वाले ६५ वर्षीय गुरुदीन रावत उनके बेटे दशरथ व सावन और गांव के नैनी लाल उनकी पत्नी रेशमा और बेटे विशाल व भांजी लक्ष्मी के साथ मध्य प्रदेश के पंडोखर धाम जा रहे थे। इस दौरान रास्ते में रविवार देर रात चकेरी के कोयला नगर हाईवे पर विपरीत दिशा से जाने के कारण उनकी स्कार्पियो की टक्कर एक ट्रक से हो गई। हादसे के दौरान कार क्षतिग्रस्त होने के कारण वह सभी घायल हो गए। राहगीरों ने हादसे की सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए हैलट अस्पताल भेजा। जहां उपचार के दौरान सुरेंद्र यादव और गुरुदीन की मौत हो गई। जबकि अन्य घायलों का उपचार हैलट अस्पताल में चल रहा है। वहीं, विशाल की हालत गंभीर है। थाना प्रभारी शैलेंद्र सिंह ने बताया कि हाईवे पर विपरीत दिशा से जाने के कारण स्कार्पियो कार को एक ट्रक ने टक्कर मार कर चला गया था।

सर्वे में सामने आने लगा मदरसों का सच, पटकापुर और जाजमऊ में मिले बिना सोसाइटी पंजीकृत

कानपुर। गैर मान्यता वाले मदरसों की जांच प्रशासनिक टीम ने शुरू कर दी गई है। जिला अल्पसंख्यक अधिकारी पवन सिंह ने टीम के साथ मंगलवार को पांच मदरसों का सर्वे किया। यहां उन्होंने १२ बिंदुओं पर मदरसे की जांच की। यहां दो मदरसे बिना सोसाइटी पंजीत संचालित मिले। पटकापुर के एक और जाजमऊ के चार मदरसों पर टीम पहुंची। सभी मदरसों के जमीनों के कागज के साथ अन्य जानकारी प्राप्त की गई। शासन के आदेश के बाद से गैर मान्यता चल रहे मदरसों का सर्वे किया जा रहा है। सर्वे टीम पटकापुर के जामेउलउलूम मदरसा पहुंची। यह मदरसा १८८५ से संचालित है। पूछताछ में बताया गया कि यहां २२ कक्षाएं चलती हैं और करीब ३३४ बच्चे तालीम लेते हैं। यहां गणित, हिंदी, उर्दू समेत कई विषय पढ़ाए जाते हैं। मदरसा वक्फ बोर्ड की जमीन पर संचालित मिला। इसके बाद टीम जाजमऊ पहुंची। जाजमऊ में संचालित जमाएतुज जेहरा मदरसे में सोसाइटी पंजीकृत नहीं मिला। यह १६७० से चल रहा है। दारुल उलूम शाहए आला मदरसा सोसाइटी पंजीत मिला। १६७७ से वक्फ बोर्ड की जमीन पर संचालित मदरसे में १५० बच्चे तालीम ले रहे हैं। जाजमऊ के ही बैलुल उलेम मदरसा २०१७ से चल रहा है। सोसाइटी पंजीत नहीं है। वक्फ बोर्ड की जमीन पर २००७ से संचालित अलजैमेतुल कासमिया सोसाइटी पंजीत है और १३५ बच्चे दीनी तालीम हासिल कर रहे हैं।

सिख विरोधी दंगे के मामले में एक और आरोपित गिरफ्तार

कानपुर। शहर में सिख विरोधी दंगे की जांच कर रही एसआईटी की टीम ने अयोध्या से एक और आरोपित को गिरफ्तार किया है। पुलिस के हत्थे चढ़ा ७६ वर्षीय ओमकार नाथ शुक्ला घटना के बाद से शहर छोड़ कर चला गया और अयोध्या में रहने लगा था। एसआईटी की जांच में आरोपित के खिलाफ पर्याप्त साक्ष्य मिले थे। जिसके बाद उसे पकड़ा गया है। डीआईजी एसआईटी बालेन्दु भूषण ने बताया अब तक ३६ अभियुक्तों को गिरफ्तार किया जा चुका है। बचे लोगों को पकड़ने के लिए शासन और कोर्ट से एसआईटी टीम को ३० सितंबर तक का समय दिया गया है। वर्ष १९८४ में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या के बाद कानपुर में हुए सिख विरोधी दंगे की जांच एसआइटी ने तीन साल पहले शुरू की थी। जांच पूरी होने के बाद दंगे के १२७ मृतकों के परिवारों को इंसाफ मिलने की उम्मीद जागी है। जांच में १४ मुकदमों में गवाह मिल गए हैं और नौ मुकदमों में चार्जशीट लगाई जानी है। एसआइटी को चिह्नित ६४ आरोपितों में ७४ जिंदा मिले हैं और २० की मौत हो चुकी है। अब तक १४७ गवाहों के बयान लिये गए हैं।

अद्भुत परम्पराः शवों को खाने की परम्परा

अमरेन्द्र सहाय अमर

आज हम जो समाचार आपको देने जा रहे हैं हो सकता है उस पर आप सहसा विश्वास ना करें क्योंकि यह बहुत आश्चर्य कर देने वाला समाचार है. दुनिया में इंसानों की कई ऐसी जनजातियाँ हैं, जिसके बारे में हम आम दुनिया के लोग बेहद अनजान हैं. ना सिर्फ उन्हें, बल्कि उनके रीति–रिवाज, परंपराएं और संस्कृति के बारे में भी हमें बहुत अधिकन हीं मालूम होता. उनके मान्यताओं के बारे में जानने के बाद कोई भरोसा भी नहीं कर पाएगा कि आखिर यह प्रजाति ऐसा क्यों करती है. साउथ अमेरिका के ब्राजील और वेनेजुएला में यानोमामी जनजाति पाईजाती है,जोकि यनम या सीनेमा के नाम से जाने जाते हैं. यह जनजाति आजकल के आधुनिकीकरण और पश्चिमीकरण से बिलकुल अछूते हैं .यह जनजाति अपनी आदिमसंस्कृति व परंपराओं का अनुपालन करती हैं. यही वजह है कि यह जनजाति अपने ही तरीके से रहना पसंद करते है. अपना जीवन यापन अपने तरीके से ही करते हैं. इस जनजाति में अंतिम संस्कार करने का तरीका बड़ा ही अद्भुत और अजीबोगरीब है. एंडो–केनिबलवाद कहे जाने वाली इस परंपरा के अंतर्गत यह जनजाति अपनी ही जनजाति के मृतकों के मांस खाने की अनोखी प्रथाको जिंदा रखे है. अमेजन वर्षावन में रहने वाले यानोमामी जनजाति का मानना है कि मौत के बाद शरीर के आत्मा को संरक्षित रखने की जरूरत होती है. उनका मानना है कि आत्मा को तभी शांति मिल सकती है, जब उसकी लाश पूरी तरह से जल जाए और उनके लाश को जीवित रिश्तेदारों द्वारा खाया जाए. मृतकों के पारंपरिक दफन प्रक्रिया के उलट, यह जनजाति शव को जलाते हैं और जले हुए शरीर पर मुस्कान के साथ उनके चेहरे को पेंट कर देते हैं. इतना ही नहीं, ये नाचते गाते हैं और रिश्तेदार की मौत पर रोते हुए अपने दुख को प्रगट करते हैं एक रिपोर्ट के मुताबिक, इस जनजाति में किसी शख्स की मौत हो जाती है, तो उसके शव को पत्तों और दूसरी चीजों से ढक कर रख दिया जाता है. इसके बाद जो शरीर बच जाता है उसे जला दिया जाता है. इसके बाद बची राख का सूप बनाकर जनजाति के लोग पीते हैं. ऐसा वह अपनी परंपराओं की वजह से करते हैं।

बेहतर चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता: ब्रजेश पाठक

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने सोमवार को जिला अस्पतालों के प्रबन्धनतंत्र को प्राथमिकता प्रदान करने के लिये राज्य स्वास्थ्य

परिवार कल्याण संस्थान इंदिरा नगर में आयोजित कार्यशाला का उद्घाटन किया। उप मुख्यमंत्री ने मुख्य चिकित्सा अधीक्षकों के लिये संस्थान के संकाय अधिकारियों द्वारा निर्मित हैंडबुक का अनावरण भी किया। इस अवसर पर ब्रजेश पाठक ने कहा कि मुख्य चिकित्सा अधीक्षकों को जिला अस्पतालों का सिस्टम मजबूत करने तथा जनसामान्य तक बेहतर चिकित्सा सेवायें उपलब्ध कराने का सन्देश दिया। उन्होंने कहा कि बेहतर चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। इस पर हमें खरा उतरना हे। चिकित्सा अधीक्षकों को अस्पतालों की साफ–सफाई को बेहतर बनाने के लिए हर समय मुस्तैद रहने की नसीहत दी। उन्होंने कहा कि चिकित्सालयों में माइनर ओटी को हमेशा क्रियाशील रखा जाए और उसमे साफ सफाई का विशेष ध्यान रखा जाए। इसके साथ ही उन्होंने बजट प्रबन्धन की सही जानकारी के साथ चिकित्सालयों में विद्युत व्यवस्था बाधित होने पर उत्पन्न होने वाले कठिनाई को दूर करने के लिए पर्याप्त ईधन की व्यवस्था सुनिश्चित किये जाने निर्देश दिए। उन्होने कहा कि कोई भी रोगी अस्पतालों से निराशा होकर न जाये। इस दौरान प्रमुख सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य पार्थ सारथी सेन शर्मा, एन०एच०एम० मिशन निदेशक अपर्णा उपाध्याय, महानिदेशक डॉ. लिली सिंह, महानिदेशक परिवार कल्याण, डॉ. रेनु श्रीवास्तव वर्मा तथा निदेशक (प्रशासन) एवं निदेशक संस्थान डा्र राजागणपति आर. तथा अन्य उपस्थित थे।

कथक में कहा 'आज जाने की जिद न करो' 'लांचिंग में हुआ रतन बहनों का नृत्य'

लखनऊ। 'आज जाने की जिद न करो' गाने की नये कलेवर में लॉन्चिंग आज यहां स्थानीय जर्नलिस्ट कैफे मे आयोजित समारोह में हुआ। यू ट्यूब पर गीत का प्रमोशन रणविजय सिंह, नवीन पाण्डेय और संदीप पाण्डेय ने किया। इस अवसर पर जुड़वां रतन बहनों ने कथक के शुद्ध पक्ष के संग बिरजू महाराज जी की बंदिश पर मोहक नृत्य प्रस्तुत किया। युवा प्रतिभा अमितेश पटेल की आवाज में ढली फय्याज हाशमी की नज़्म – 'आज जाने की जिद....' पर गुरु अर्जुन मिश्र व सुरभि सिंह की शिष्याओं और लखनऊ घराने की कथक नृत्यांगनाओं रतन बहनों ईशा रतन–मीशा रतन ने भावपूर्ण कथक प्रदर्शित किया है। यहां उपस्थित प्रबुद्ध जनों के बीच आयोजकों ने बताया कि हम सदैव कलाओं के उन्नयन और प्रतिभावान कलाकारों को आगे बढ़ाने में सहयोग देते हुए नए वीडियोज का निर्माण और प्रबुद्ध जन के समक्ष ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन करते रहेंगे।

रोडवेज बस पर टूटकर गिरा बिजली का तार, यात्रियों ने कूदकर बचाई जान

लखनऊ। बिजली विभाग की लापरवाही से सोमवार को रोडवेज की बस आग का गोला बनने से बच गई। दरअसल कैसरबाग बस अड्डे से निकली रोडवेज बस दिल्ली के लिए रवाना हुई। लेकिन कैसरबाग स्थित हाईकोर्ट के सामने इस बस पर बिजली का तार टूट कर गिर गया। तार टूट कर गिरते ही हड़कंम मच गया। चालक–परिचालक बस के बाहर कूद गए। करंट उतरने के डर से यात्रियों में चीखपुकार मच गई। साहिबाबाद डिपो की बस संख्या यूपी १४ सीटी ०१६५ में १७ यात्रियों ने बस के दरवाजे से कूदकर अपनी जान बचाई। सोमवार की शाम तकरीबन चार बजे कैसरबाग स्थित पुराने हाईकोर्ट चौराहे पर यह हादसा हुआ। तार टूट कर बस पर गिरते ही आस–पास के लोगों ने जागरुकता दिखाई। आनन–फानन में बांस के सहारे बिजली के इस तार को बस की छत से किनारे किया गया। हालांकि इस दौरान तार जल रहा था। स्थानीय लोगों के अनुसार पिछले कई दिनों से बिजली का तार यहां पर सड़क के इस पार से उस पार तक लटक रहा था। बिजली विभाग के कर्मचारियों को इसकी शिकायत की गई थी लेकिन उन्होंने ध्यान नहीं दिया। मौके पर मौजूद राहगीरों और पुलिस की सूझबूझ से यात्रियों को बस से सुरक्षित उतारा गया। मौके पर पहुंचने बिजली विभाग के कर्मचारियों के अनुसार तार में करंट था। लेकिन केबिल होने के चलते करंट बस में प्रवाहित नहीं हुआ। करंट यदि बस में प्रवाहित हो जाता तो बस जल उठती और इससे बड़ा हादसा हो सकता था।बस पर बिजली के तार गिरने से आधे घंटे तक कलेक्ट्रेट चौराहे के पास अफरा–तफरी का महौल रहा। खौफजदा यात्री सड़क के किनारे बैठे रहे। यात्रियों को पहले पानी पिलाया गया और बाद में उन्हें उसी बस से दिल्ली रवाना कर दिया गया। घटना के बाद कैसरबाग से स्वास्थ्य भवन तक जाम लग गया। कैसरबाग से ग्लोबपार्क तक आने वाले और ग्लोब पार्क से कैसरबाग की तरफजाने वाले लोग तकरीबन एक घंटे तक यहां फंसे रहे। जाम खुलने की देरी से कई लोग मार्ग बदल कर रवाना हुए। बस पर बिजली के तार टकराने के मामले को पावर कारपोरेशन ने संज्ञान में लिया है। इस मामले में चेयरमैन एम देवराज ने पूरी रिपोर्ट मांगी है। मौके पर पहुंचे अधिशाषी अभियंता एसके वर्मा ने बताया कि बिजली का तार ढीला था, इसके ठीक करवा दिया गया है। किसी प्रकार कोई अप्रिय घटना नहीं हुई है। इस सम्बन्ध में कैसरबाग बस स्टेशन के एआरएम प्रबंधन रमेश कुमार विष्ट का कहना है कि बस से बिजली के तार टकराने की सूचना मिलते ही मौके पर कर्मचारियों को भेजा गया। शुक्र यह रहा कि किसी तरह का कोई हादसा नहीं हुआ। सभी यात्री सुरक्षित रहे। घटना के बाद लगे जाम को हटवा कर बसें रवाना की गईं।

पुरानी पेंशन बहाल करने पर विचार कर रही है पंजाब सरकार

चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत (ठींहूंदज डंदद) मान ने है कहा कि सरकारी कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन (चमदेपवद) योजना को बहाल करने पर उनकी सरकार विचार कर रही है। मान ने ट्वीट संदेश बताया कि सरकार पुरानी पेंशन प्रणाली बहाल करने पर विचार कर रही है। उन्होंने कहा कि मुख्य सचिव से इसके कार्यान्वयन की व्यवहार्यता पर गौर करने को कहा है। मान ने कहा कि सरकार कर्मचारियों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध हैं। भगवंत मान ने कहा कि राज्य के अधिकतर सरकारी कर्मचारी पुरानी पेंशन योजना बहाल करने की मांग कर रहे हैं, जिसे २००४ में बंद कर दिया गया था। उल्लेखनीय है कि पिछले साल अगस्त में आम आदमी पार्टी के नेता एवं मौजूदा वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने वादा किया था कि अगर उनकी पार्टी पंजाब में सत्ता में आई तो पुरानी पेंशन प्रणाली को

बहाल कर दिया जाएगा। पंजाब सिविल सचिवालय कर्मचारी संघ के अध्यक्ष सुखचौन सिंह खैरा ने मुख्यमंत्री की घोषणा का स्वागत किया और कहा कि राज्य के कर्मचारी पुरानी पेंशन प्रणाली बहाल कराने के लिए लंबे समय से संघर्ष कर रहे हैं।

सलमान खान के फैन आजम अली अंसारी ने किया सरेंडर, भेजा गया जेल

लखनऊ। राजधानी में बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान के फैन और खुद को डुप्लीकेट सलमान खान मानने वाला आजम अली अंसारी आखिरकार पुलिस की गिरफ्त में आ गया है। एनईआर के सिटी रेलवे स्टेशन पर रेलवे ट्रैक पर शर्ट उतारकर रील्स बनाने पर २३ अगस्त को आरपीएफ ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था। इसके बाद जीआरपी आजम अंसारी की तलाश में दबिश दे रही थी। सोमवार को आजम ने सिटी रेलवे स्टेशन पर सरेंडर कर दिया। इसके बाद रेलवे पुलिस ने उसे मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किया। जहां से उसे जेल भेज दिया गया। गौरतलब है कि २२ अगस्त को आजम अली अंसारी का सिटी रेलवे स्टेशन और डालीगंज रेलवे स्टेशन के बीच बने रेलवे ब्रिज पर तेरे नाम फिल्म के टाइटल सांग्स तेरे नाम का सिगरेट पीते रिकॉर्डेड वीडियो वायरल हुआ था। जब यह वीडियो तुल पकड़ने लगा तो लखनऊ सिटी रेलवे स्टेशन की आरपीएफ टीम सक्रिय हो गई। आनन–फानन आरपीएफ ने आजम अली के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया। मुकदमा दर्ज होते ही आजम अली फरार हो गया। इसके बाद आरपीएफ आजम की तलाश में दबिश देने लगी। इस सम्बन्ध में एनईआर के आरपीएफ कमांडेंट का कहना है कि आजम अली अंसारी के खिलाफ बैगर इजाजत के वीडियो शूट करना और रेलवे ट्रैक पर धूम्रपान करने के संबंध में मुकदमा दर्ज किया गया था। आरपीएफ ने आजम अली अंसारी के घर पर दबिश दी तो उसके भाई ने सोमवार को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट लखनऊ सिटी पर अभियुक्त आजम अली अंसारी को हाजिर कराया है।

दहेज की मांग पूरी न होने पर शौहर ने दिया तीन तलाक

लखनऊ। आशियाना थानाक्षेत्र अन्तर्गत दहेज की अतिरिक्त मांग पूरी न होने पर एक युवक ने पत्नी को तीन तलाक दे दिया। इसके बाद तलाक पीड़िता ने सम्बन्धित कोतवाली में अपने शौहर के खिलाफ तलाक दिए जाने और जान से मारने की धमकी की शिकायत की है। मामले को संज्ञान मे लेते हुए पुलिस ने मुकदमा दर्ज करते हुए तफ्तीश शुरू कर दी है। आशियाना थानाक्षेत्र की रहने वाली पीड़िता का निकाह साल २०१६ में बिजनौर के चंद्रावल निवासी मोहम्मद आसिफ के साथ हुआ था। पीड़िता ने बताया शुरुआती दौर में सब कुछ ठीक था लेकिन कुछ दिन बाद ससुराल पक्ष का व्यवहार उसके प्रति बदलने लगा। आरोप है कि ससुराल पक्ष के लोग अतिरिक्त दहेज की मांग करने लगे। जब पीड़िता विरोध करती तो उसका शौहर आसिफ, ननद रफत जहां, शराफत जहां व शोएबा बानो अक्सर उसे मारते–पीटते। आरोप है कि, बीते २४ जून को ससुराल पक्ष के लोगों ने उसकी पिटाइ कर दी। वहीं उसके शौहर ने उसका कूटरचित हस्ताक्षर किया हुआ सुलहनामा थमाकर तीन तलाक देकर घर से बेघर कर दिया। इसके अलावा कहीं शिकायत करने पर जान से मार देने की धमकी भी दी। इसके बाद पीड़िता मायके आ गई और परिजनों को आपबीती सुनाई। इस सम्बन्ध में आशियाना थाना प्रभारी अजय प्रकाश मिश्रा ने बताया कि तहरीर के आध ाार पर पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। छानबीन की जा रही है। जल्द ही आरोपियों की गिरफ्तारी की जाएगी।

माफिया अतीक अहमद के करीबी की बिल्डिंग पर चला एलडीए का बुलडोजर

लखनऊ। पूर्वांचल के माफिया अतीक अहमद के बेहद करीबी बिल्डर के दफ्तर पर एलडीए ने मंगलवार को बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस बल की मौजूदगी में

एलडीए ने बिल्डर के बिना नक्शा पास किए अवैध रुप से बने दफ्तर को जमींदोज कर दिया है। इसके अलावा राजधानी में लगभग १५० बिल्डिंग को चिन्हित किया गया है। जो बैगर नक्शा पास किए अवैध रूप से निर्मित हैं। एलडीए (लखनऊ विकास प्राधिकरण) लगातार अवैध निर्माण को लेकर अभियान चला रहा है। मंगलवार दोपहर करीब दो बजे एलडीए की एक टीम मड़ियांव थानाक्षेत्र के खदरा स्थित वलिबदर अपार्टमेंट में पहुंची। इस अपार्टमेंट को माफिया अतीत अहमद के बेहद करीबी बिल्डर मोहम्मद मुस्लिम ने बनवाया है। जब टीम अपार्टमेंट में पहुंची तो मौजूद लोगों ने विरोध किया। हालांकि पुलिस बल ने सभी को खदेड़ दिया। इसके बाद एलडीए टीम ने बैगर नक्शा पास किए बिर्ल्डर के बने आफिस को ध्वस्त कर दिया। इस कार्रवाई में जोनल अधिकार अरविंद त्रिपाठी के साथ एलडीए के सहायक अभियंता अनिल कुमार, अवर अभियंता संजय शुक्ला मौजूद रहे। एलडीए अधिकारियों की मानें तो अभियान के तहत राजधानी में चिन्हित किए गए २५ निर्माण स्थल को सील किया गया। जिसमें गोमतीनगर, गोमतीनगर विस्तार और शहीद पथ के किनारे बन रहे आवासीय और व्यावसायिक इमारतें शामिल हैं।

मेडिकल कारोबारी से हड़पे रुपये, मुकदमा दर्ज

लखनऊ। ठाकुरगंज कोतवाली में मेडिकल कारोबारी ने दो व्यापारियों के विरुद्ध धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज कराया है। मेडिकल कारोबारी का आरोप है कि व्यापारियों ने ०३ लाख ७१ हजार रुपये हड़प लिए हैं। उधर कैसरबाग कोतवाली में प्लाट का झांसा देकर आठ लाख रुपये की हड़पे की रिपोर्ट दर्ज की है। दोनों ही मामलों की पुलिस तफ्तीश कर रही है। मूलरूप से गोरखपुर जनपद निवासी मोहम्मद असद मेसर्स एके ग्लोबल के नाम से मेडिकल फर्म संचालित करते हैं। फरवरी २०२२ में मेडिकल कारोबारी से ठाकुरगंज थानाक्षेत्र

के हाता सूरज सिंह निवासी अनुज मिश्र और राजीव मिश्रा ने १८ लाख २३ हजार रुपये ने थर्मल थर्मामीटर, हैण्ड सेनिटाइजर और मास्क खरीदे थे। इसके एवज में व्यापारियों ने उन्हें ११ लाख ८४ हजार रुपये का एडवांस चेक दिया था। जब फर्म संचालक ने दिए गए चेक को बैंक में लगाया तो वह बांउस हो गया। शिकायत करने पर व्यापारियों ने किस्तों में १५ लाख रुपये अदा किए और शेष ०३ लाख ७१ हजार रुपये देने से मना कर दिया। इसके बाद फर्म संचालक ने व्यापारियों के खिलाफ ठाकुरगंज कोतवाली में तहरीर देते हुए मुकदमा दर्ज कराया है।

सन्नी देओल को पसंद है नयापन, रीमेक फिल्मों में नहीं करना चाहते हैं काम

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता सन्नी देओल रीमेक फिल्मों में काम नहीं करना चाहते हैं। सन्नी देओल ने कहा कि रीमेक ब लीवुड में काम नहीं करती है क्योंकि उनकी मूल आत्मा में कमी होती है और इसलिए वे काम नहीं करती है। सन्नी देओल ने कहा कि मैं हमेशा कुछ अलग ढूंढता हूं। जैसे, मैं रीमेक बनाने से तंग आ चुका हूं। मैंने उनमें से एक या दो की होगी, लेकिन मुझे कुछ नया पसंद है। कई बार जब हम रीमेक करते हैं, तो वो गड़बड़ हो जाती हैं क्योंकि ओरिजन फिल्म में एक आत्मा होती है और यहीं बात हम रीमेक में किसी तरह हम चूक गए। सनी देओल ने कहा कि वह खुद को भाग्यशाली मानते है कि

उन्हे ८० के दशक में अलग और नई फिल्मों में काम करने का मौका मिला। उन्होंने कहा, जब मैं इंडस्ट्री में आया, मेरे पिताजी (धर्मेंद्र), अमित जी (अमिताभ बच्चन), शत्रु जी (शत्रुघ्न सिन्हा), ये सभी स्टार्स थे। सिनेमा एक अलग जॉनर का था और मैंने बेताब से डेब्यू किया फिर अर्जुन, यतीम जैसी फिल्में की, जो अलग थी। मुझे ऐसा करने में मजा आ रहा था और मैं भाग्यशाली था कि निर्देशक और लेखक उस पर ध्यान दे रहे थे।सन्नी देओल जल्द ही फिल्म चुपरू रिवेंज ऑफ द आर्टिस्ट में नजर आने वाले हैं, जिसमें उन्होंने एक पुलिस वाले की भूमिका निभाई है। आर बाल्की निर्देशित इस फिल्म में दुलकिर सलमान और श्रेया धनवंतरी भी हैं। यह फिल्म २३ सितंबर को रिलीज होगी।

कंगना रनौत ने इंदिरा गांधी से की अपनी तुलना

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत ने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गाधी से अपनी तुलना की है। कंगना रनौत इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म इमरजेंसी को लेकर चर्चा में हैं। कंगना इस फिल्म में पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के किरदार में नजर आने वाली हैं। कंगना ने अपनी तुलना इंदिरा गांधी से की है। कंगना ने सोशल मीडिया अकाउंट पर अपने बचपन की तस्वीरें साझा की और बताया कि उनके बाल कटवाने के फैसले ने उन्हें पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के समान बना दिया। कंगना ने बताया कि बचपन में छोटे बालों की वजह से उनके चाचा उन्हें इंदिरा कहकर बुलाते थे। कंगना ने सोशल मीडिया पर अपने बचपन की दो फोटोज शेयर की। पहली फोटो में कंगना ब यकट बालों में नजर आईं, वहीं दूसरी फोटो में कंगना स्कूल ड्रेस पहने दिखीं।

पति साथ घर लौट रही महिला से बाइक सवार बदमाश ने छीनी चेन

लखनऊ। ठाकुरगंज थानाक्षेत्र अन्तर्गत बाइक सवार बदमाश ने पति साथ घर लौट रही महिला गले से झपट्टा मारकर चेन छीन ली और वहां से भाग निकला। दंपती के शोर मचाने पर राहगीर बदमाश की तरफ दौड़े, लेकिन वह उसे दबोच न पाए। इसके बाद दंपती ने ठाकुरगंज कोतवाली में तहरीर देते हुए मुकदमा दर्ज करवाया। ठाकुरगंज थानाक्षेत्र के प्रेमविहार निवासी मनोज कुमार सोमवार की रात करीब साढ़े दस बजे पत्नी मीनाक्षी मंजुषा के साथ दुबग्गा स्थित अपने प्ल ट से घर लौट रहे थे। जब वह वरदानी मंदिर के नजदीक पहुंचे तो पीछ से आए बाइक सवार बदमाश ने उनकी पत्नी के गले पर झपट्टा मारकर चेन छीन ली और वह बालागंज चौराहे की तरफ भाग निकला। दंपती के शोर मचाने पर राहगीरों ने बदमाश को दौड़ा लेकिन वह सरफराजगंज चौराहे के पास भीड़ को चकमा देकर फरार हो गया। इसके बाद पीड़ित ने ठाकुरगंज कोतवाली में तहरीर दी। देर रात पुलिस ने बदमाश के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। इस सम्बन्ध में दंपती ने कहा कि घटनास्थल के पास लोगों की भीड़ मौजूद थी, लेकिन किसी ने उनकी मदद नहीं की। अगर थोड़ा भी प्रयास किया होता तो बदमाश पकड़ा जाता। वहीं ष्णानगर थाना प्रभारी विजय यादव ने बताया कि पुलिस आसपास में लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। जल्द ही चेन छीनने वाले बदमाश को गिरफ्तार किया जाएगा।

मधुर भंडारकर ने फिल्म 'बबली बाउंसर' बनाने की बताई खास वजह

मुंबई। बॉलीवुड निर्देशक मधुर भंडारकर का कहना है कि वह एक कॉमेडी और जीवन स्थर पर एक बेहतरीन फिल्म बनाना चाहते थे इसलिए उन्होंने बबली बाउंसर बनाने का फैसला किया। मधुर भंडारकर ने कहा कि मैं वास्तविक जीवन में एक बहुत ही विनोदी व्यक्ति हूं। यह सिर्फ इतना है कि चांदनी बार के बाद, लोगों ने माना

कि मुझे डार्क सिनेमा करना पसंद है। लेकिन जब मुझे 'बबली बाउंसर' मिली, मैं एक कॉमेडी, जीवन स्थर पर फिल्म बनाना चाहता था। मुझे लगा कि मैं बाउंसरों की दुनिया दिखाना चाहता हूं। यह एक दिलचस्प दुनिया है और ये लोग अपने गांवों से कैसे आते हैं। इसके अलावा, पहली महामारी ने हमें इतनी बुरी तरह से मारा, मुझे लगा कि हमें वास्तव में एक कॉमेडी फिल्म की जरूरत है। जिसे लोग अपने परिवार के साथ देख सकें। गौरतलब है कि स्टार स्टूडियोज और जंगली पिक्चर्स द्वारा निर्मित बबली बाउंसर में मुख्य भूमिका में तमन्ना भाटिया, सौरभ शुक्ला, अभिषेक बजाज और साहिल वैद की मुख्य भूमिका है। बबली बाउंसर' २३ सितंबर को डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर हिंदी, तमिल और तेलुगु में रिलीज होगी।

हमारे अन्य प्रतिनिधि
lt; ckt ibl
lhrkij
ek-9935160370
प्रियंका त्रिपाठी
नई दिल्ली
विधिक सलाहकार
lj'k ukjk;.k feJ
क्षेत्रीय सम्पादक
lkjHk dekj] fcgkj
ek-09386075289
मो० अरशद
C;jk phQ
eऊ

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय द्वारा सांई आफसेट प्रिन्टर्स, 40 वासुदेव भवन भातखण्डे संगीत महाविद्यालय के पीछे, कैसरबाग लखनऊ से छपवाकर एमआईजी 2/379 रश्मिखंड शारदानगर आशियाना लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
आर.एन.आई
UPHIN/2010/32566

सम्पादक
आरती पाण्डेय
मो.9415087228
9889745884. 9807059191. 9026560178
Email-
adbhutsamachar@yahoo.in
adbhut_samachar@rediffmail.com

सभी विवादों का न्यायक्षेत्र लखनऊ होगा।

समाचार पत्र में छपी समस्त प्रकार की खबरों एवं लेखों का स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय से किसी भी प्रकार का कोई लेना देना नहीं है। समाचार पत्र में छपी खबर एवं लेख पत्रकारों के अपने निजी विचार हैं। समाचार पत्र से जुड़े समस्त पत्रकारों के पद अवैतनिक हैं। और वह सब स्वतंत्र पत्रकार हैं। प्रकाशक/सम्पादक